गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

NEP - 2020

CBCS [चयन आधारित क्रेडिट पद्धति]

स्नातकोत्तर कला शाखा

M.A. (HINDI)

HINDI COURSE STRUCTURE 2024-25

SEMESTER- III & IV

हिंदी साहित्य

प्रा. डॉ. सुनिता पं. बनसोड़ (भगत)
अध्यक्ष
हिंदी अध्ययन मंडल
हिंदी पाठ्यक्रम समिति
गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

हिंदी अभ्यास मंडल, गोंडवाना विद्यापीठ गडचिरोली

१) प्रा. डॉ. चंद्रमोली – अधिष्ठाता

मानव्य शाखा गोंडवाना विद्यापीठ गडचिरोली

२) प्रा .डॉ. सुनिता बन्सोड (भगत) – अध्यक्ष

३) प्रा. डॉ. कल्पना कावळे – सदस्य

४) प्रा. डॉ. रविंद्रनाथ पाटील – सदस्य

५) प्रा. डॉ. शैलेंद्रकुमार शुक्ल – सदस्य

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली

पाठ्यक्रम की रुपरेखा

2024-25

एम.ए. (हिंदी) – व्दितीय वर्ष

(80 : 20 पैटर्न)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम की रचना विश्व विद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली की 'राष्ट्रीय शिक्षा नीती 2020' के अनुसार की गई है I

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष के इस पाठ्यक्रम का अध्ययन व अध्यापन 2024-25 से आरंभ होगा I

संपूर्ण पाठ्यक्रम का विभाजन दो सत्रों (एक वर्ष) के लिए होगा I विद्यार्थियों को निर्धारित पाठ्यक्रम में से तृतिय सत्र के लिए प्रश्नपत्र १ से ५ तक का और चतुर्थ सत्र के लिए प्रश्नपत्र १ ते ५ तक होगा I

प्रश्नपत्र १,२,३ (Major-DSC) और प्रश्नपत्र ४ (Major Elective DSE) वैकल्पिक स्तर के होंगे जिसके अंतर्गत प्रश्नपत्र ५ विषयो में से किसी एक विषय का अध्ययन विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा I

विद्यार्थी अपने अध्ययन केन्द्र/महाविद्यालय में पढाई जानेवाले विकल्पों में से किसी भी विकल्प का अध्ययन कर सकता है I प्रकल्प लेखन(OJT) का विषय भी अनिवार्य होगा I

एम.ए. (हिंदी) भाग: तृतीय सत्र
पाठ्यक्रम की रुपरेखा
सत्र : 2024-25 से(80 : 20 पैटर्न)

कुल: ६० तासिकाएँ (प्रत्येक एकाई के लिए १५ घंटे)
चारों प्रश्नपत्रों के लिए प्रथम सत्र में चार अंतर्गत परीक्षाएँ होगी I (5+5+5+5) 20 अंक
सत्रांत परिक्षा (पांच प्रश्न) 80 अंक
कुल100 अंक

सूचना :

१. एम. ए. (हिंदी) तृतीय सत्र - के प्रश्न पत्र में २० अंको का अन्तर्गत मूल्यांकन किया जायेगा और ८० अंको की अंतिम परीक्षा होगी I (विद्यार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में अंतर्गत परीक्षा और अंतिम परीक्षा में कुल मिलाकर ४० अंक उत्तीर्ण होने के लिए अनिवार्य है I अर्थात १०० में से ४० अंक बाद में उनका रुपांतरण श्रेणी पद्धति में होगा I

२. इस सत्र में चार अंर्तगत परीक्षाएँ ली जायेगी वह एक-एक इकाई के अध्यापन के बाद होनी चाहिए I यह परीक्षाएँ **5+5+5+5** अंको की ली जायेगी I उसके लिए निम्न परीक्षा पद्धतियों में से किन्ही चार के **(विभाग प्रमुख एवं विषय शिक्षक के चयन के अनुसार)** आधार पर मूल्यांकन किया जाय :-

अ.क्र.	परीक्षा	विषय
१	स्वाध्याय ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
२	मौखिक परीक्षा ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
३	प्रतियोगिता/स्पर्धापरीक्षा ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रश्न हो
४	विषय/संगोष्ठी/सेमिनारप्रस्तुतिकरण ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर प्रस्तुतिकरण लिया जाना
५	लघु प्रकल्प/ अनुसंधान कार्य/ प्रोजेक्ट ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई के विषय पर
६	लिखित परीक्षा ५ अंको के लिए	चारों इकाईयों पर
७	पुस्तक परीक्षण ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई के विषय पर
८	साहित्यिक पत्रिका/पुस्तक आकलन रस ग्रहण ५ अंको के लिए	किसी एक इकाई पर
९	फिल्ड वर्क / अध्ययन यात्रा	किसी एक इकाई पर

एम.ए. (हिंदी) व्दितीय वर्ष

पाठ्यक्रम की रुपरेखा

सत्रः 2024-25 (80 : 20 पैटर्न)

तृतिय सत्र

प्रश्नपत्र १:- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य- भाग १

प्रश्नपत्र २ :- भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा- भाग १

प्रश्नपत्र ३:- विशेष अध्ययन : मुंशी प्रेमचंद भाग १-

(Major Mandatory DSC Subject)

प्रश्नपत्र ४ :- (१) नैतिक शिक्षा भाग-१

(२) हिंदी का लोक साहित्य

(३) आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (नाटक और एकांकी)

(४) भाषिक संप्रेषण : स्वरुप और सिद्धांत

(Elective Subject (DSE))

प्रश्नपत्र ५ :- प्रकल्प लेखन

एम.ए. (हिंदी) व्दितीय वर्ष

पाठ्यक्रम की रुपरेखा

सत्र: 2024-25 (80 : 20 पैटर्न)

चतुर्थ सत्र

Major Mandatory DSC Subject

प्रश्नपत्र १:- प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य- भाग २

प्रश्नपत्र २ :- भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा- भाग २

प्रश्नपत्र ३:- विशेष अध्ययन : मुंशी प्रेमचंद भाग २-

Elective Subject (DSE)

प्रश्नपत्र ४ :- (१) नैतिक शिक्षा भाग-२
(२) साहित्य एवं पर्यावरण विमर्श
(३) रचनात्मक लेखन
)
(४) आधुनिक हिंदी आलोचना

प्रश्नपत्र ५ :- प्रकल्प लेखन

एम. ए. (हिन्दी) तृतीय सत्र
NEP 2020
Major DSC
प्राचीन एव मध्यकालीन काव्य- भाग १
Paper-I

उद्देश्य:-

छात्रों को -

१. हिंदी का आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृतियों की जानकारी देना I

२. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना I

३. पाठयकवियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढानाI

४. प्राचीन कवियों के माध्यम से कवियों का सक्षिप्त जीवन परिचय उनके रचनाकार उनके काव्य का वैशिष्ट्य उलकी रचनाओ का नामोल्लेख , प्रकाशनकाल की जानकारी प्रदान करना I

पाठ्यक्रम का परिणाम: [COURSE OUTCOME]

१. साहित्य के काव्यात्मक पक्ष की जानकारी प्राप्त होगी।

२. इतिहास युगीन चेतना की समझ विकसित होगी।

३. साहित्य की विविध प्रवृत्तियों,रचनाकारों के लेखकीय सरोकारों के बारे में आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।

४. हिन्दी काव्य लेखन में कुशलता विकसित होगी।

५. संवाद कौशल और सम्प्रेषण कला का विकास होगा।

अध्यापन पद्धति :-

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण I

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा I

३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग I

४) परिचर्चा I

५) अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान I

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

इकाई	पाठ्यक्रम
इकाई 1	१) कबीर: संपादक डॉ हजारी प्रसाद व्दिवेदी - आरंभ के २५ पद २) सुरदास : भ्रमरगीसार- (गोपिका उद्धव संवाद)
इकाई 2	३) भूषण: भूषण ग्रंथावली - संपादकडॉ. विजयपाल सिंह श्री शिवा बावनी छप्पय२१, कवित्त मनहरण २ से २० तक
इकाई 3	४) बिहारी: सतसई भक्ति परक दोहे १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, १३, १४, १५, १८, २१, २४, २६, ३७, ४३, ४७

इकाई 4

५) द्रुतपाठ- हेतु निम्नांकित उपन्यसकारों का संक्षिप्त जीवन - परिचय, विशेषताएँ, रचनाओं को लेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन अपेक्षित है I इन पर लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगें I

१. रसखान २. केशव ३. नामदेव ४. गुरुगोविंद सिंह ५. शेक्सपियर ६. घनानंद

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे　　　　　　　　　　कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :-

१. प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत इकाई १,२,३ में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं में से व्याख्या हेतु पांच काव्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी I प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है I　　3 x 10 = 30

२. प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत इकाई १,२,३ में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है I　　10 x 1 = 10

३. प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं I　　5 x 4 = 20

४. प्रश्न क्रमांक चार के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे I सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे I प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है I　　5 x 2 = 10

५. प्रश्न क्रमांक पॉच के अंतर्गत संपूर्ण पाठ्यक्रम दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे I सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे I प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है I　　1 x 10 = 10

६. अंतर्गत मूल्यांकन　　20 अंक

-: संदर्भ ग्रंथ :-

१) कबीर की विचारधारा - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
२) कबीर: साहित्य और साधना - सं. वासुदेव सिंह
३) कबीर का रहस्यवाद - डॉ. रामकुमार वर्मा
४) महाकवि जायसी और उनका काल - डॉ. इकबाल अहमद
५) जायसी का पद्मावत काव्य दर्शन - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
६) सूर साहित्य - आचार्य हजारीप्रसाद व्दिवेदी
७) भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनजर पांडेय
८) गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
९) लोकवादी तुलसीदास - विश्वनाथ त्रिपाठी

१०) तुलसीदास और उनका युग - डॉ. राजपति दीक्षित
११) तुलसी दर्शन मीमांसा - डॉ. राजपति दीक्षित
१२) घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा - डॉ. मनोहरलाल गौड
१३) बिहारी का काव्य लालित्य - रामशंकर त्रिपाठी
१४) मुक्त काव्य परंपरा और बिहारी - डॉ. रामसागर त्रिपाठी
१५) शब्द निर्गुण संत काव्य दर्शन और भक्ति - डॉ. जीवन सिंह डॉ. कृष्णा रैना
१६) अमीर खुसरो - डॉ. हरदेवबाहरी
१७) खुसरो की हिंदी कविता - बजरत्नदास
१८) जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन - प्रो. हरेंदप्रतापसिन्हा
१९) महाकवि जायसी और उनका काव्य - डॉ. इकबालअहमद
२०) मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य - डॉ. शिवसहायपाठक
२१) जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन - डॉ. गोविंदत्रिगुणायत
२२) पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन - डॉ. दृवारिकाप्रसाद सक्सेना
२३) पद्मावत का काव्य सौदर्य - डॉ. चंद्रबली पाण्डेय
२४) हिंदी के प्रतिनिधि कवि - डॉ. सुरेश अग्रवाल

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

NEP 2020

Major DSC

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा- भाग १

Paper - II

उद्देश्य:

छात्रो को

१) भाषा विज्ञान के अंगो एवं विभिन्न शाखाओं का परिचय देना I
२) भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना
३) भारतीय आर्यभाषाओं के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना I
४) हिंदी के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरुप से परिचित कराना I
५) हिंदी के शब्द भेदो के विकास क्रम का विवरण देना I
६) हिंदी के विविध रुपों की जानकारी देना I
७) साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट कराना I
८) विकास के संदर्भ में देवनागरी लिपि की विशेष जानकारी देना I

पाठ्यक्रम का परिणाम : [course outcome]

१. भाषा विज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा के विविध आयामो का बोध होगा।
२. भाषा विज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा के सम्प्रेषण कौशल का विकास होगा।
३. भाषा विज्ञान के अध्ययन से रचनात्मक कौशल की नई कल्पना शक्ति का विकास होगा।
४. भाषा विज्ञान से साहित्यिक सिद्धांतों का बोध होगा।
५. हिंदी भाषा के व्याकरणिक स्वरुप और विकास की जानकारी प्राप्त होगी I

अध्यापन पद्धति :-

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण I
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा I
३) दृक श्राव्य माध्यमों / साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग I
४) पी.पी.टी / भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग I
५) अतिथि विशेषज्ञो के व्याख्यान I

अध्ययनार्थ विषय :-

इकाई- 1

भाषा और भाषा विज्ञान :-

भाषा की परिभाषा और स्वरुप, भाषा के अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा विज्ञान का स्वरुप और व्याप्ति I भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ - वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक I

भाषाविज्ञान की शाखाएँ -

कोश विज्ञान, व्युत्तपत्ति विज्ञान, लिपी विज्ञान, समाजभाषा विज्ञान

इकाई- 2

स्वन विज्ञान:-

स्वन विज्ञान का स्वरुप, स्वन विज्ञान की शाखाएँ – औच्चारिक तथा श्रौतिकी, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा, स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुणस्वनिक परिवर्तन I
स्वनिम विज्ञान का स्वरुप, स्वनिम की परिभाषा, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण, स्वन और स्वनिम में अंतर

इकाई- 3

रुप विज्ञान:

रुप की परिभाषा और स्वरुप, रुपिम का स्वरुप, रुपिम के भेद – संरचना की दृष्टि से – मुक्त, बद्ध, संपृक्त रुप, अर्थ की दृष्टि से – अर्थदर्शी (अर्थतत्व) संबंध दर्शी (संबंध तत्व)

वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा और स्वरुप, वाक्य संबंधी सिद्धात –अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधान्वाद
वाक्य के अंग – उदेश्य, विधेय I वाक्य के निकटस्थ अवयव I
वाक्य विश्लेषण – मूलवाक्य, रूपांतरितवाक्य, आंतरिक संरचना और बाह्यसंरचना

इकाई- 4

अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा I शब्द और अर्थ का संबंध I अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और परिवर्तन के कारण I पर्यायिता, विलोमता I
भाषा विज्ञान और साहित्य – साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगो की उपयोगिता I
हिंदी भाषा शिक्षण तथा शैली विज्ञान के विशेष संदर्भ में I

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :-

१. प्रश्न क्रमांक एक इकाई 1 एवं इकाई 2 से दो - दो - दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I 10 x 2 = 20

२. प्रश्न क्रमांक दो इकाई 3 एवं इकाई 4 से दो- दो प्रश्न पूछेजाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक खण्ड से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I 10 x 2 = 20

३. प्रश्न क्रमांक तीन में सात लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाऐंगेI जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है I 5 x 4 = 20

४. प्रश्न क्रमांक चार में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित है I 5 x 2 = 10

५. प्रश्न क्रमांक पॉच में सम्पूर्ण पाठयक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाऐंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है I 10 x 1 = 10

६. अंतर्गत मुल्यांकन 20 अंक

-: संदर्भ ग्रंथ :-

१) भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी

२) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - डॉ. शंकररामभाउ पजई
डॉ. सैयद समीर गुलाब
डॉ. शैलेंद्र कुमार शुक्ल

३) सामान्य भाषा विज्ञान - बाबूराम सक्सेना

४) भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेंद्रनाथ शर्मा

५) भाषा - विश्वनाथ प्रसाद

६) ब्रजभाषा - धीरेंद्र वर्मा

७) भाषा विज्ञान और हिंदी - नरेश मिश्र

८) हिंदी शब्दानुशासन - किशोरदास वाजपेयी

९) हिंदी भाषा का इतिहास - भोलानाथ तिवारी

१०) भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेंद्रनाथ शर्मा

११) भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. सुधाकर कलावडे

१२) सामान्य भाषा विज्ञान - बाबूराम सक्सेना

१३) आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. राजमणि शर्मा

१४) ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. रामविलास शर्मा

१५) भारत की भाषा समस्या - राजकमल प्रकाशन

१६) भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव व्दिवेदी
आचार्य

१७) हिंदी भाषा: कल और आज - डॉ. पूरनचंद टंडन एवं
डॉ. मुकेश अग्रवाल

एम.ए. हिंदी तृतीय सत्र
NEP 2020
Major DSC
विशेष अध्ययन – मुंशी प्रेमचंद- भाग १
Paper- III

उद्देश्य :

छात्रों को

१) उपन्यास विधा के तात्विक स्वरुप की जानकारी देना I
२) उपन्यास तथा अन्य साहित्यिक विधा का तुलनात्मक परिचय देना I
३) हिंदी उपन्यासों के विकासक्रम की जानकारी देना I
४) हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृतियों से परिचित कराना I
५) हिंदी उपन्यासों के तात्विक स्वरुप एवं विकास क्रम के परिप्रेक्ष्य में उपन्यासो के आस्वादन, अध्ययन एवं मुल्यांकन की क्षमता बढाना I

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURS OUTCOME]

१. विद्यार्थियों को उपन्यास साहित्य की संपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।
२. उपन्यास लेखन की विविध प्रवृत्तियों का बोध होगा।
३. उपन्यास लेखन में पारंगतता प्राप्त होगी।
४. उपन्यास पठन से सामाजिक भूमिकाओं का बोध होगा।
५. सिनेमा और पटकथा लेखन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

अध्यापन पद्धति :-

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण I
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा I
३) व्दक श्राव्य माध्यमों / साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग I
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन I
५) परिचर्या I
६) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान I

अध्ययननार्थ पाठ्यक्रम :

इकाई 1	कर्मभुमि (उपन्यास) – मुंशी प्रेमचंद
इकाई 2	निर्मला (उपन्यास) – मुंशी प्रेमचंद
इकाई 3	गोदान (उपन्यास) – मुंशी प्रेमचंद
इकाई 4	द्रुतपाठ- हेतु निम्नांकित उपन्यसकारों का संक्षिप्त जीवन -परिचय, विशेषताएँ, रचनाओं कोलेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन अपेक्षित है I इन पर लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगें I फणीश्वरनाथ रेणु, कृष्ण सोबती, उषा प्रियंवदा, इलाचंद्र जोशी, जयशंकर प्रसाद I

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे — कुल अंक: 80+20

सूचनाएँ :-

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत इकाई 1, 2, 3** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों में से व्याख्या हेतु पांच ग्द्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी I प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है I 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत इकाई 1, 2, 3** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है I 10 x 1 = 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं I 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे I सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे I प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है I
5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत संपूर्ण पाठ्यक्रम दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे I सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे I प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है I 1 x 10 = 10

६. **अंतर्गत मूल्यांकन** **20 अंक**

-: संदर्भ ग्रंथ :-

१) प्रेमचंद आज के संदर्भ में – गंगाप्रसाद विमल

२) प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा

३) प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा – शैलेश जैदी

४) प्रेमचंद: एक अध्ययन – राजेश्वर गुरु

५) प्रेमचंद अध्ययन की नई दिशाएँ – कमलकिशोर गोयनका

६) प्रेमचंदके उपन्यासों का शिल्प विधान – कमलकिशोर गोयनका

७) प्रेमचंद - जीवन और कृतित्व – हंसराज रहबर

८) प्रेमचंद की विरासत – राजेंद्र यादव

९) प्रेमचंद विरासत का सवाल – शिवकुमार मिश्र

१०) प्रेमचंद के आयाम – ए अरविंद दाक्षन
११) गोदान नया परिप्रेक्ष्य – गोपाल राय
१२) उपन्यासकार प्रेमचंद – सं. सुरेशचंद्र गुप्त, रमेशचंद्र गुप्त
१३) समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद – महेंद्र भटनागर
१४) आद्य बिंब और गोदान – कृष्ण मुरारी मिश्र

एम. ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
NEP 2020
Major Elective DSE
नैतिक शिक्षा भाग-१
Paper-IV

उद्देश्य:-

१) छात्रों को नैतिक शिक्षा की प्रमुख प्रयुक्तियों और उत्कृष्ट जीवन के आधार शैलियों का परिचय देना I

२) छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान के प्रयोग विधि से अवगत कराना I

३) छात्रों को नैतिकता के विविध प्रकारों की जानकारी कराना I

४) छात्रों को नैतिक और बौद्धिक क्रांति से परिचित कराकर सामाजिक क्रांति के व्यवहारिक ज्ञान को आत्मसात कराना I

५) छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित करना I

पाठ्यक्रम परिणाम-

१. नैतिक शिक्षा विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों की समझ विकसित होगी। इसकी सहायता से वे देश के बेहतर नागरिक बन सकेंगे।

२. नैतिक शिक्षा समस्याओं के प्रति अन्वेषी दृष्टि विकसित होगी।

३. नैतिक शिक्षा सम्प्रेषण क्षमता का विकास होगा। नैतिक शिक्षा से युगीन जीवन के विश्लेषण विवेचन की समझ विकसित होगी।

४. नैतिक शिक्षा से सामाजिक-साहित्यिक जागरूकता विकसित होगी जिससे सांस्कृतिक बहुलता को समझने में आसानी होगी।

५. नैतिक शिक्षा से जीवन के प्रति सकारात्मक, स्वावलंबी सोच विकसित होगी।

६. नैतिक शिक्षा से जीवन के प्रति सकारात्मक सोच तैयार होगा।

अध्यापन पद्धति :-

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण I

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा I

३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग I

४) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा I

५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत अधिकारी विव्दानों के व्याख्यान I

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

इकाई 1

१. सामाजिक कर्तव्य और व्यवहार

- कर्तव्य परायणता अपनाएँ
- असत्य व्यवहार से बचे
- हॅंसती और हॅंसाती जिंदगी
- समाज का हित करें
- नागरिक कर्तव्य पालन
- व्यक्तिगत स्वार्थ और सामाजिक सुव्यवस्था
- नवयुवकों में सज्जनता और शालीनता

इकाई 2

२. उत्कृष्ट जीवन के आधार :
- जीवन लक्ष्य समझें
- स्वाध्याय की अनिवार्यता
- स्वच्छता
- औचित्य की सराहना
- धन का अव्यय नही सदुपयोग करें
- फॅशन परस्ती एक ओछापन
- तंबाकू का दुर्व्यसन छोडे

इकाई 3

३. सफलता के सोपान :
- भाग्यवाद हमें नंपुसक और निर्जीव बनाता है
- बौद्धिक परावलंबन का परित्याग
- विचार शक्ति और अपना महत्त्व समझें
- आलस्य त्यागें और समय का सदुपयोग करें
- अवरोध से अधीर न हो
- आवेशग्रस्त न हो
- छात्र अपना भविष्य निर्माण आप करें

इकाई 4

परिवार व्यवस्था और संस्कार
- सुव्यवस्थित परिवार के लिए सुव्यवस्था
- संयुक्त परिवार प्रणाली श्रेयस्कर
- दांपत्य जीवन
- नियोजित परिवार और सुसंस्कृत संतान
- बालकों का भविष्य निर्माण और उन्हें स्वावलंबी बनाना
- त्यौहार संस्कार की प्रेरणाप्रद प्रवृति
- जन्मदिवस और विवाह दिवस मनाएँ

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समयः तीन घंटे | कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :-

१. प्रश्न क्रमांक एक इकाई-१ एवं इकाई-२ से दो- दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I 10 x 2 = 20

२. प्रश्नक्रमांक एक इकाई ३ एवं इकाई ४ से दो- दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I 10 x 2 = 20

३. प्रश्न क्रमांक तीन में सात लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाऐंगे I जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है I 5 x 4 = 20

४. प्रश्न क्रमांक चार में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाऐंगे, सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित है I 5 x 2 = 10

५. प्रश्न क्रमांक पॉच में सम्पूर्ण पाठयक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है I 10 x 1 = 10

६. अंतर्गत मूल्यांकन 20 अंक

-: संदर्भ ग्रंथ :-

१. शिक्षण प्रक्रिया में सर्वांपुर्ण परिवर्तन — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

२.प्रबंध व्यवस्था एक विभूति एक कौशल — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

३. छात्रो का निर्माण अध्यापक करें — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

४. छात्र वर्ग में नशे की दुष्प्रवृत्ति — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

५. नारी उत्थांन की समस्या और समाधान — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

६. व्यक्तित्व के परिष्कार में श्रद्धा ही समर्थ — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

७. जीवन लक्ष्य और उसकी प्राप्ति — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

८. वर्तमान चुनौतिया और युवा वर्ग — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

९. बच्चों को उत्तरधिकार में धन नही गुण दे — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

१०. बच्चों को शिक्षा ही नही विद्या भी दे — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

११. दो घिनौने मुफ्तखोर और कामचोर — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

१२. दहेज दानव से सामाजिक लडाई — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

१३. राष्ट्र समर्थ और सशक्त कैसे बने — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

१४. भारतीय संस्कृति एक जीवनदर्शन — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

१५. समस्त विश्व को भारत के अजश्र अनुदान — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

एम. ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
NEP 2020
Major Elective DSE
हिंदी का लोक साहित्य
Paper - IV

उद्देश्य:-

छात्रो को -

१) लोकसाहित्य के स्वरुप तथा उसके अध्ययन के महत्व से परिचित कराना I

२) लोक साहित्य की विविध विधाओं की जानकारी देना तथा लोक जीवन में उसकी व्यापकता समझाना I

३) लोक साहित्य का महत्व समझाकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरित करना I

४) महाराष्ट्र के लोक साहित्य से परिचित कराना I

पाठ्यक्रम का परिणाम : [**COURSE OUTCOME**]

- विद्यार्थियों को लोक साहित्य की जानकारी प्राप्त होगी।
- लोक साहित्य लेखन की परंपरा का विकास होगा।
- लोक साहित्य से राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत की जानकारी प्राप्त होगी।
- लोक साहित्य से साहित्य की विविध प्रवृत्तियों को परखने का कौशल प्राप्त होगा।
- लोक साहित्य से सामाजिक एकता का महत्व विद्यार्थी समझ सकेंगे।

अध्यापनपद्धति :-

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण I

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा I

३) दृकश्रव्य माध्यमों / साधनों का प्रयोग I

४) राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न कार्यालयों की अध्ययन यात्रा I

५) विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हिंदी अधिकारी विव्दानों के व्याख्यान I

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :-

इकाई-1

लोकसाहित्य परिभाषा और विशेषताएँ, लोक साहित्य और लोकमानस
:लोकसाहित्य का अर्थ और परिभाषाएँ, लोक साहित्य के प्रमुख लक्षण तथा विशेषताएँ, लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य में अंतर, लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का संबंध, लोक साहित्य का क्षेत्र, लोक साहित्य का वर्गीकरण I

इकाई-2

लोकगीत वर्गीकरण, परिभाषा - लक्षण
लोकगीत, लोकगीतके लक्षण, लोकगीतकी परिभाषा, भारतीय लोकगीतों का इतिहास, लोकगीतों की विशेषताएँ तथा शिष्ट और परिनिष्ठित गीतों से उनकी पृथकता (अंतर), लोकगीतों के प्रमुख तत्व, लोकगीतों का

वर्गीकरण, विभिन्न विव्दानो व्दारा लोकगीतों के किये गये वर्गीकरण :- पं. रामनरेश त्रिपाठी का वर्गीकरण, सुर्यकरण पारीक का वर्गीकरण, डॉ. सत्येंन्द्र का वर्गीकरण, डॉ. कल्पदेव उपाध्याय का वर्गीकरण

इकाई-3

लोककथा/लोकगाथा/लोकनाट्य

लोककथाओं की प्राचीनता और उनकी परंपरा, लोककथा की विशेषताऍं, लोक कथा का वर्गीकरण, लोककथाओं के रचना संबंधी तत्व
लोकगाथा की परिभाषाऍं, लोकगाथा की विशेषताऍं,
लोकगाथाओं के उत्पत्ति केसिद्धांत, लोकगाथाओं का वर्गीकरण,
लोकगाथाऍं, ढोलामारु पर आधारित ढोला की कथा, गोपीचंद-भरथरी लोरिकायन, नलदमयती, हिर-रांझा, सोहिनी-महिवाल
आल्हा-हरदौल, लोरिका-चंदा
लोकनाट्य- परिभाषाऍं और स्वरुप, विशेषताऍं,
लोकनाट्यों का परिचय - रामलीला, रासलीला, कीर्तन, यक्षगान, नौटंकी, जत्रा, भवाई, विदेसिया, नाच,
महाराष्ट्र का लोकनाट्य- तमाशा, गोंधड, लावनी, पोतराज, वासुदेव भारुड, पोवाडा, किर्तन, सुंबरान

इकाई-4

लोक साहित्य के गौणरुप :- लोकोक्तियां, मुहावरें, पहेलियां, -
लोकोक्ति, लोकोक्ति की परिभाषा, लोकोक्तियों का वर्गीकरण,
मुहावरे परिभाषा, लोकोक्ति और मुहावरा में अंतर, मुहावरों के प्रकार, विशेषताऍं
पहेलियॉं- पहेलियों की उत्पति, विकास और परंपरा, अर्थ गौरव की दृष्टि से पहेलियॉं, ढकोसले, पालने के गीत, बाल-गीत, खेल के गीत, अन्यगीत

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय: तीन घंटे | कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :-

१. प्रश्न क्रमांक एक इकाई-१ एवं इकाई-२ से दो- दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I 10 x 2 = 20

२. प्रश्नक्रमांक एक इकाई ३ एवं इकाई ४ से दो- दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I 10 x 2 = 20

३. प्रश्न क्रमांक तीन में सात लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाऐंगे I जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है I 5 x 4 = 20

४. प्रश्न क्रमांक चार में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाऐंगे, सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित है I 5 x 2 = 10

५. प्रश्न क्रमांक पॉच में सम्पूर्ण पाठयक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है I 10 x 1 = 10

६. अंतर्गत मूल्यांकन 20 अंक

-: संदर्भ ग्रंथ :-

१. भारतीय लोकसाहित्य - डॉ.श्याम पवार

2. लोकसाहित्य कि भूमिका - डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय

३. लोकसाहित्य :सिद्धांत और प्रयोग - डॉ.श्रीराम शर्मा

४. लोकसाहित्य के प्रतिमान - डॉ.कुंदनलाल उप्रेती

५. खडीबोली का लोकसाहित्य - डॉ . सत्यगुप्त

६. लोकसाहित्य का विज्ञान - डॉ . सत्येंद्र

७. लोकवार्ता और लोकगीत -डॉ .सत्येंद्र

८. लोकसाहित्य का अध्ययन -डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

९. लोकसाहित्य - प्राचार्य डॉ. बापूराव देसाई

एम. ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
NEP 2020
Major Elective DSE
Paper-IV
आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य
(नाटक और एकांकी)

उद्देश्य :

छात्रो को

१)नाटक और रंग विधा से परिचय I
२)नाटक, एकांकी और रंगमंच परंपरा का बोध I
३)युगीन दृष्टि से नाटक और रंगमंच के मूल्यांकन एवं महत्व का आकलन I
४)समाज, साहित्य और नाट्य के अंत : संबंधो की पहचान I
५)हिंदी गद्य की प्रारंभिक विधा से परिचय I
६)एकांकी के प्रभाव एवं महत्व का आकलन I
७)हिंदी एकांकी और नाटक के संबंध में जानकारी I
८)साहित्यिक विधाओं में एकांकी का महत्व बोध I
९)एकांकी की सामाजिक प्रासंगिकता I
१०) हिंदी एकांकी विधा का परिचय I
११) नाटक और एकांकी के स्वरुप और विशेषताओं से परिचित कराना I

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURS OUTCOME]

१. विद्यार्थियों को नाटक और रंगमंच विधा की संपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।
२. रंगमंच विधा की विविध प्रवृत्तियों का बोध होगा।
३. अभिनय कौशल में पारंगतता प्राप्त होगी।
४. नाटक और एकांकी से सामाजिक भूमिकाओं का बोध एवं आत्म विश्वास में बढोत्तरी ।
५. सिनेमा और पटकथा लेखन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

अध्यापन पद्धति :-

१)व्याख्यान तथा विश्लेषण I
२)संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा I
३)दृक श्राव्य साधनों/ माध्यमों का प्रयोग I
४)विशेषज्ञों के व्याख्यान I
५)पी. पी. टी / भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग I
६)अध्ययन यात्रा का आयोजन करना I

अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम :

इकाई १

१)नाटक और रंगमंच- स्वरुप और संरचना
नाटक की भारतीय परंपरा
हिंदी नाटक का विकास

२)हिंदी रंगमंच का विकास
हिंदी रंगमंच के विकास में अनुदित नाटकों की भूमिका

इकाई २

१)हिंदी एकांकी -स्वरुप और परिभाषा,
तत्व एवं विशेषताएँ, एकांकी के भेद,
हिंदी एकांकी उदभव और विकास

इकाई ३

१) अंधेर नगरी - भारतेंदु हरीश्चंद्र

२)अंधायुग - धर्मवीर भारती

इकाई ४

१) शिवाजी का सच्चा स्वरुप - सेठ गोविंददास
२) मम्मी ठकुराईन - लक्ष्मीनारायण लाल
३) चारुमित्रा - रामकुमार वर्मा
४) परदे के पीछे - उदयशंकर भट्ट
५) बंदी - जगदीशचंद्र माथुर

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :-

१. प्रश्न क्रमांक एक इकाई '1', एवं इकाई '2', से दो - दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I 10 x 2 = 20

२. प्रश्न क्रमांक दो इकाई '3', एवं इकाई '4' से दो - दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I 10 x 2 = 20

३. प्रश्न क्रमांक तीन में सात लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाएंगे I जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न प्र चार अंक निर्धारित है I 5 x 4 = 20

४. प्रश्न क्रमांक चार में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रःन प्र दो अंक निर्धारित हैं I 5 x 2 = 10

५. प्रश्न क्रमांक पॉच में सम्पूर्ण पाठयक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है I 10 x 1 = 10

६. अंतर्गत मूल्यांकन 20 अंक

-: संदर्भ ग्रंथ :-

२१) हिंदी उपन्यास : समकालीन विमर्श - सत्यदेव त्रिपाठी

२२) हिंदी उपन्यास : सृजन और सिद्धांत - नरेंद्र कोहली

२३) नये उपन्यासों में नये प्रयोग - दंगल झाल्टे

२४) सामाजिक परिवर्तन में कथा साहित्य की भूमिका - डॉ. हिरालाल शर्मा एवं डॉ. महेंद्र

२५) विविध विधाओं के प्रतिनिधी साहित्यकार - डॉ. हजारीप्रसाद व्दिवेदी विनोदिनी सिंह

२६) हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन - डॉ. बाबूराम

२७) हिंदी रंगकर्म : दशा और दिशा - डॉ. जयदेवजनेजा

२८) समकालीनहिंदीनाटकऔररंगमंच - डॉ. जयदेवजनेजा

२९) समसायिक हिंदी नाटक में खंडीत व्यक्तित्व अंकन - डॉ. टी. आर. पाटील

३०) आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोग धर्मिता - डॉ. सत्यवती त्रिपाठी

३१) हिदी नाटक: आज कल - डॉ. जयदेव जनेजा

३२) सातवें दशक के प्रतीकात्मक नाटक - रमेश गौतम

३३) युगबोध और हिंदी नाटक - डॉ. सरिता वशिष्ठ

३४) नव्य हिंदी नाटक - डॉ. सावित्री स्वरुप

३५) हिंदी के प्रतिनिधी निबंधकार - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

३६)	हिंदी साहित्य में निबंध और निबंधकार	–	डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त
३७)	हिंदी के प्रमुख निबंधकार : रचना और शिल्प	–	डॉ. गणेश खरे
३८)	सात एकांकी	–	डॉ. सुर्यप्रसाद दीक्षित
३९)	हिंदी एकांकी और एकांकीकार	–	डॉ. रामचरण महेंद्र
४०)	हिंदी एकांकी शिल्प विधि का विकास	–	डॉ. सिद्धनाथ कुमार

एम. ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
NEP 2020
Major Elective DSE
भाषिक संप्रेषण : स्वरुप और सिद्धांत
Paper-IV

उद्देश्य:

छात्रों को :-

१) भाषा संप्रेषण के संदर्भ में आवश्यक तत्थयों से अवगत कराना I
२) भाषिक संप्रेषण प्रक्रिया के स्वरुप एवं सिद्धांतों की जानकारी I
३) भाषिक संप्रेषण का स्वरुप एवं उपाय योजना की जानकारी देना I
४) भाषा संप्रेषण के विविध आयामों से परिचित कराना I
५) व्यक्तित्व विकास में सहायक भाषिक व्यवहार की जानकारी प्रदान कराना I

अध्यापन पद्धति :-

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण I
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा I
३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग I
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन I
५) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान I

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- विद्यार्थियों को भाषा के व्यावहारिक पक्ष की विस्तृत जानकारी प्राप्त होंगी।
- भाषा के रोजगारपरक आयामों की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
- भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त होगी।
- सम्प्रेषण कौशल और लेखन कला का विकास होगा।
- तकनीकी जानकारी की सहायता से भाषा के यांत्रिक प्रयोग में कुशलता प्राप्त होगी।
- भाषा को रोजगार से जोड़ने के विभिन्न मार्ग पता चलेंगे।
- सरकारी संस्थाओं के नए नए रोजगार संदर्भों की जानकारी प्राप्त होंगी।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

भाषा और संप्रेषण

इकाई १

१ संप्रेषण का अर्थ एवं स्वरुप
२ संप्रेषण की अवधारणा और महत्व
३ संप्रेषण के विभिन्न मॉडल
४ संप्रेषण का भाषिक पक्ष
५ संप्रेषण की चुनौतियाँ

इकाई २

संप्रेषण कला

१ भाषायी दक्षता
२ आंगिक भाषा
३ संप्रेषण के प्रकार – मौखिक और लिखित, वैयक्तिक और सामाजिक, व्यावसायिक और भ्रामक संप्रेषण

इकाई ३

संप्रेषण के विविध पक्ष

१. संप्रेषणका तकनीकी पक्ष
२. संप्रेषण का सामाजिक पक्ष
३. संप्रेषण के माध्यम– एकालाप, संवाद, सामुहिक चर्चा, प्रभावी संप्रेषण

संप्रेषण कौशल

इकाई ४

१. भाषा, शिक्षा और रोजगार : संप्रेषण
२. आवश्यकता एवं महत्व
३. विश्लेषण और व्यवस्था
४. गहन अध्ययन अनुवाद

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय: तीन घंटे　　　　　　　　　　　　　　　　　　कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :-

१. प्रश्न क्रमांक एक इकाई-१ एवं इकाई-२ से दो- दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I
10 x 2 = 20

२. प्रश्नक्रमांक एक इकाई ३ एवं इकाई ४ से दो- दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक काई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I
10 x 2 = 20

३. प्रश्न क्रमांक तीन में सात लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाऐंगे I जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है I　　5 x 4 = 20

४. प्रश्न क्रमांक चार में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाऐंगे, सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित है I　　5 x 2 = 10

५. प्रश्न क्रमांक पॉच में सम्पूर्ण पाठयक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है I　　10 x 1 = 10

६. अंतर्गत मूल्यांकन　　20 अंक

एम. ए. (हिंदी) तृतीय सत्र
NEP 2020
Paper-V
प्रकल्प लेखन

अंक विभाजन:– ५० अंक प्रकल्प के लिए

५० अंक मौखिकी के लिए

<u>सूचना</u> – गोंडवाना विश्वविदायलय, गडचिरोली का हिन्दी अध्ययन मंडल प्रकल्प के विषय उपलब्ध कराएगा। गोंडवाना विश्वविदायलय अन्य विश्वविदायलय तथा महाविदयालयों के हिन्दी विभाग के प्राध्यापक प्रकल्प प्रस्तुत करने वाले छात्रों की मौखिकी लेने के लिए उपस्थित रहेगें। एक प्राध्यापक सारे केंद्रो को मिलाकर अधिकतम दस छात्रों का ही मार्गदर्शन कर सकेंगें।

प्रकल्प लेखन के लिए निर्धारित शोध विषय:

१	आदिकाल का नामकरण व काल विभाजन
२	हिंदी महाकाव्य परंपरा में पृथ्वीराज रासो का स्थान
३	अमीर खुसरो का हिंदी साहित्य में प्रदेय
४	भक्तिकाव्य का उदभव और विकास
५	भक्तिकाल के प्रमुख आचायों का योगदान
६	भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएॅ
७	कबीर के व्यक्तित्व और कृतित्व का सामान्य परिचय
८	कबीर काव्य के सामाजिक सरोकार
९	कबीर की भक्तिभावना और उसकी व्याप्ति
१०	सूफि काव्यधारा और जायसी
११	जायसी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
१२	कृष्ण काव्य परंपरा और सूरदास
१३	सूरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
१४	सूर के काव्य में भक्ति और दर्शन
१५	भ्रमरगीतसार परंपरा में सूर कृत भ्रमरगीत सार का महत्व
१६	कृष्ण काव्य परंपरा में सूर का स्थान
१७	रामकाव्यधारा में गोस्वामी तुलसीदास का आगमन
१८	तुलसीदास के व्यक्तित्व और कृतित्व का सामन्य परिचय
१९	श्रामचरितमानस का महाकाव्यत्व
२०	तुलसी के काव्य में भक्ति और दर्शन
२१	तुलसीदास की समन्वय भावना

२२	रामचरितमानस के प्रमुख पुरूष पात्र
२३	रामचरितमानस के प्रमुख नारी पात्र
२४	तुलसीदास का भाषिक और शैल्पिक अनुप्रयोग
२५	कवि भूषण के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
२६	भक्तिकाव्य परंपरा में मीराबाई का आगमन
२७	मीराबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
२८	नारीवाद के संदर्भ में मीराकाव्य की विद्रोही चेतना
२९	भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता और मीराबाई
३०	हिंदी साहित्य के इतिहास में भक्तिकाव्य का महत्व
३१	हिंदी साहित्य के इतिहास में रितीकाव्य का महत्व
३२	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में रस सिध्दांत का महत्व
३३	अलंकार का स्वरूप ओर प्रभेद
३४	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में रीति सिध्दांत का महत्व
३५	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में ध्वनि सिध्दांत का महत्व
३६	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में औचित्य सिध्दांत का महत्व
३७	औचित्य सिध्दांत का स्वरूप विश्लेषण
३८	आचार्य रामचंद्र शुक्ल के समीक्षा सिध्दांत
३९	आचार्य शुल्क की आलोचनात्मक कृतियों का परिचय
४०	हिंदी आलोचना को आचार्य रामचंद्र शुल्प का प्रदेय
४१	आचार्य रामचंद्र शुक्ल की सौद्वांतिक आलोचना
४२	आचार्य रामचंद्र शुक्ल की व्यावहारिक आलोचना
४३	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के समीक्षा सिध्दांत
४४	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी और कबीर
४५	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का ऐतिहासिक लेखन
४६	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी के आलोचना सिध्दांत
४७	डॉ. रामविलास शर्मा कि निराला से सम्बन्धित आलोचना
४८	डॉ. नामवर सिंह का समीक्षात्मक प्रदेय
४९	प्लेटो के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
५०	अरस्तू के जीवन कृतित्व का परिचय व्यक्तित्व और
५१	अरस्तू के प्रमुख समीक्षा सिध्दांत
५२	लेंजाइनस के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
५३	पाश्चात्य काव्यशास्त्र में लोंजाइनस का महत्व
५४	अभिजात्यवाद के आधार पर होमर के महाकाव्यों का विश्लेषण
५५	मार्क्सवाद के प्रमुख सिध्दांत
५६	मार्क्सवाद के आधार पर किसी कृति का विश्लेषण
५७	टी.एस. इलियट के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय
५८	आई.ए. रिचर्ड्स के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
५९	मनोविश्लेषणवाद के आधार पर किसी कृति का विश्लेषण

६०	सरचनावाद के आधार पर किसी कृति का विश्लेषण
६१	डॉ.नगेंद्र के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
२१	२१ वी सदी कि मराठी कहानियों में किसान
६३	आधुनिक कविता कि पृष्ठभूमि, उध्दव एवं वर्गीकरण
६४	कामायनी का दार्शनिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य
६६	कामायनी का दर्शन
६७	प्रयोगवाद और अज्ञेय
६८	अज्ञेय की काव्यशिल्प यात्रा और उनका काव्य
६९	प्रगतिवाद और साहित्य पर उसका प्रभाव
७०	नई कविता की विशेषताऍं
७१	लोकसाहित्य में सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक जीवन का चित्रण
७२	स्त्री कहानियॉं का स्त्री पाठ
७३	नारीवादी उपन्यास का यथार्थ
७४	आदिवासी कहानियॉं में शोषण का रूप
७५	दलित जीवन की कहानियों में दलित यथार्थ
७६	दलित कहानियॉं में दलित मुक्ति के प्रश्न
७७	गोदान का किसान और वर्तमान यथार्थ
७८	मुक्तिबोध की कहानियॉं ओर लंबी कविताओं में अंतसंबध
७९	दूरदर्शन के विज्ञापनों का सामाजिक प्रभाव
८०	सामाजिक विकास में जनसंचार माध्यमों का महत्व
८१	पत्रकारिता की सामाजिक भूमिका और वर्तमान स्थिति
८२	जनमाध्यम और बदलता सांस्कृतिक परिवेश
८३	भारतीय सिनेमा का उध्दव और विकास
८४	अनुवाद का महत्व और आयाम
८५	साहित्यिक अनुवाद
८६	अनुवाद प्रक्रिया तथा अनुवाद तकनीक
८७	अनुवाद के प्रमुख भेद और उनके प्रमुख उदाहरण
८८	छायावादी कविता में राष्ट्रीय चेतना
८९	प्रेमचंद युगीन उपन्यासों की विशेषता
९०	समकालीन हिंदी उपन्यास
९१	नई कहानी की विशेषताऍं
९२	हिंदी एकांकी: उध्दव और विकास
९३	हिंदी संस्मरण और स्मृति की रेखाए
९४	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रयुक्त हिंदी
९५	बजारवाद और हिंदी
९६	हिंदी की संवैधानिक स्थिती
९७	हिंदी में रोजगार की संभावनाऍं
९८	सूचना प्रौद्यौगिकी और हिंदी

९९	सरकारी कार्यालयो में हिंदी का प्रयोग
१००	राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज एवं ग्रामगीता
१०१	राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज का व्यक्तिमत्व एवं कृतित्व

सूचना–

१. इन मानक विषयों के अतिरिक्त दूसरे विषयों पर भी विद्यार्थी अपने शोध निर्देशक के परामर्श से प्रकल्प विषय का चयन कर सकते है।

२. विद्यार्थी किसी कृति का हिंदी अनुवाद मूल लेखक की अनुमति से कर सकते हैं।

३. प्रकल्प की पृष्ठ संख्या ८० से १००के मध्य होनी चाहिए।

४. विद्यार्थी प्रकल्प का टंकण करते हैं, तो युनिकोड मंगल फॉण्ट में टंकण करें और फॉण्ट का अकार १४ तथा १.५ का स्पेस रखे।

५. विद्यार्थियों को शोध प्रक्रिया का पालन करते हुए अंत में संदर्भ ग्रंथ सूची देनी होगी।

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवम् अंक विभाजन

Examination

1. External Examination (Semester and Examination) Total Marks- 50

2. Internal Examination (आंतरिक परीक्षण) Total Marks- 50

पुस्तक समीक्षा/प्रकल्प	– २० अंक
प्रस्तुतीकरण/ रचनात्मक कार्य	– १० अंक
कक्षा शिक्षण के दौरान सहभागिता	– १० अंक
शिष्टाचार एवं समय आचरण	–१० अंक
प्रश्न पत्र ५ के लिए	–५० अंक (प्रकल्प)
	५० अंक (मौखिकी)

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सत्र

NEP 2020

Major DSC

प्राचीन एव मध्यकालीन काव्य- भाग २

Paper - I

उद्देश्य :-

१) हिंदी का आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना I

२) तत्कालीनप्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना I

३) पाठय कवियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढाना I

४) दृतपाठ के माध्यम से कवियों का सक्षिप्त जीवन परिचय उनके रचनाकार उनके काव्य का वैशिष्ट्य उनकी रचनाओ का नामोल्लेख , प्रकाशन काल की जानकारी प्रदान करना I

पाठ्यक्रम का परिणाम: [COURSE OUTCOME]

१. साहित्य के काव्यात्मक पक्ष की जानकारी प्राप्त होगी।

२. इतिहास युगीन चेतना की समझ विकसित होगी।

३. साहित्य की विविध प्रवृत्तियों, रचनाकारों के लेखकीय सरोकारों के बारे में आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।

४. हिन्दी काव्य लेखन में कुशलता विकसित होगी।

५. संवाद कौशल और सम्प्रेषण कला का विकास होगा।

अध्यापन पद्धति :-

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण I

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा I

३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग I

४) परिचर्चा I

५) अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान I

अध्ययननार्थ पाठ्यक्रम :-

इकाई 1	१ जायसी : पद्मावत- संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (नागमती वियोगखंड, मानसरोदक खण्ड)
इकाई 2	२ तुलसीदास: शबरी - संपा. नरेश मेहता (लोकभारती प्रकाशन) कवि वाल्मिकी (तपस्या एंव परीक्षा)
इकाई 3	३ केशवदास: रसिकप्रिया १ से ३८ पद ४ रहीम : रहीम दोहावली

१, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १५, १६, १७, १८, १९, २०, २१, २२, २८, ३२, ३३, ३४, ३५, ३६, ३७, ४३, ४४, ४८, ४९, ५०, ५१

इकाई 4

द्रुतपाठ : हेतु निम्नांकित उपन्यसकारों का संक्षिप्त जीवन - परिचय, विशेषताएँ, रचनाओं को लेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन अपेक्षित है I इनपर लघुत्तरी प्रश्न पुछे जाएंगे I

१ अमीर खुसरो
२ चंदवरदाई
३ रैदास
४ ज्ञानेश्वर
५ मीराबाई

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय: तीन घंटे   कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :-

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत इकाई '1', '2', '3', '4',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं में से व्याख्या हेतु छः काव्यांश दिए जाएंगे, जिनमें से किन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी I प्रत्येकव्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है I
3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत इकाई '1'** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं कविताओं पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगेजिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है I 10 x 1 = 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरीप्रश्नपूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं I 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चार** के अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम** से पूछे जाएंगे I सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे I प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है I
5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांक पॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे I सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे I प्रत्येक प्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है I प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे I 1 x 10 = 10

अंतर्गत मूल्यांकन 20

-: संदर्भ ग्रंथ :-

१) कबीर की विचारधारा - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
२) कबीर: साहित्य और साधना - सं. वासुदेव सिंह
३) कबीर का रहस्यवाद - डॉ. रामकुमार वर्मा
४) महाकवि जायसी और उनका काल - डॉ. इकबाल अहमद
५) जायसी का पद्मावत काव्य दर्शन - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
६) सूर साहित्य - आचार्य हजारीप्रसाद व्दिवेदी
७) भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य - मैनजर पांडेय
८) गोस्वामी तुलसीदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
९) लोकवादी तुलसीदास - विश्वनाथ त्रिपाठी
१०) तुलसीदास और उनका युग - डॉ. राजपति दीक्षित
११) तुलसी दर्शन मीमांसा - डॉ. राजपति दीक्षित
१२) घनानंद और स्वच्छंद - डॉ. मनोहरलाल गौड
१३) बिहारी का काव्य लालित्य - रामशंकर त्रिपाठी
१४) मुक्त काव्य परंपराऔर बिहारी - डॉ. रामसागर त्रिपाठी
१५) शब्द निर्गुण संत काव्य दर्शन और भक्ति - डॉ. जीवन सिंह डॉ. कृष्णा रैना
१६) अमीर खुसरो - डॉ. हरदेव बाहरी
१७) खुसरो की हिंदी कविता - बजरत्न दास
१८) जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन - प्रो. हरेंद्रप्रताप सिन्हा

१९) महाकवि जायसी और उनका काव्य - डॉ. इकबाल अहमद
२०) मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य - डॉ. शिवसहाय पाठक
२१) जायसी पद्मावत काव्य और दर्शन - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
२२) पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन - डॉ. दृवारिकाप्रसाद सक्सेना
२३) पद्मावत का काव्य सौदर्य - डॉ. चंद्रबली पाण्डेय
२४) हिंदी के प्रतिनिधि कवि - डॉ. सुरेश अग्रवाल

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सत्र
NEP 2020
Major DSC
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा- भाग २
Paper - II

उद्देश्य :

छात्रों को

१) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास तथा ऐतिहासिक पृष्ठिभुमि का परिचय देना I
२) आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनके वर्गीकरण से अवगत कराना I
३) भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना I
४) हिंदी बोलियों का वर्गीकरण तथा क्षेत्र से परिचित कराना I
५) हिंदी का व्याकरणिक स्वरुप और विकास की जानकारी देना I
६) लिपि विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना I
७) हिंदी प्रचार एवं प्रसार के आंदोलन की जानकारी देना I

पाठ्यक्रम का परिणाम : [Course Outcome]

१. भाषा विज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा के विविध आयामो का बोध होगा।
२. भाषा विज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा के सम्प्रेषण कौशल का विकास होगा।
३. भाषा विज्ञान के अध्ययन से रचनात्मक कौशल की नई कल्पना शक्ति का विकास होगा।
४. भाषा विज्ञान से साहित्यिक सिद्धांतों का बोध होगा।
५. हिंदी भाषा के व्याकरणिक स्वरुप और विकास की जानकारी प्राप्त होगी I

अध्यापन पद्धति :-

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण I
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा I
३) दृक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग I
४) परिचर्चा I
५) अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान I

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :-

इकाई

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठिभूमि प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ

-वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत एवं उनकी विशेषताएँ I
मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ- पालि, प्राकृत शौरसेनी, अर्धमागमी, मागधी, अपभ्रंश एवं उनकी विशेषताएं
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण I

इकाई

हिंदी का भौगोलिक विस्तार :-

हिंदी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी,
राजस्थानी पहाडी हिंदी और उनकी बोलियां खडी बोली,
व्रज और अवधी की विशेषताएँ

इकाई

हिंदी का भाषिक स्वरुप :-

हिंदी की स्वनीम व्यवस्था, खंडय, खंडयेत्तर
हिंदी शब्दरचना - उपसर्ग, प्रत्यय समास I
रुपरचना - लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में
हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारुप
हिंदी वाक्य रचना:- पदक्रम और अन्विती I

इकाई

हिंदी के विविध रुप :-

संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा के रुप में हिंदी, माध्यम भाषा,
संचार भाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति
हिंदी मे कम्युटर सुविधाएँ- आकडा संसाधन और शब्दसंसाधन
वर्तनी शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा शिक्षण,
देवनागरी लिपी विशेषताएँ और मानकीकरण हिंदी
वर्तनी व्यवस्था देवनागरी में लिप्यंतरण

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :-

६. प्रश्न क्रमांक एक इकाई '1', एवं इकाई '2', से दो - दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I

10 x 2 = 20

७. प्रश्न क्रमांक दो इकाई '3', एवं इकाई '4' से दो - दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I

10 x 2 = 20

८. प्रश्न क्रमांक तीन में सात लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाएंगे I जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न प्र चार अंक निर्धारित है I 5 x 4 = 20

९. प्रश्न क्रमांक चार में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्र:न प्र दो अंक निर्धारित हैं I

5 x 2 = 10

१०. प्रश्न क्रमांक पॉच में सम्पूर्ण पाठयक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है I

10 x 1 = 10

११. अंतर्गत मूल्यांकन

20 अंक

-: संदर्भ ग्रंथ :-

१) भाषा विज्ञान - भोलानाथ तिवारी

२) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - डॉ. शंकररामभाउ पजई

डॉ. सैयद समीर गुलाब

डॉ. शैलेंद्र कुमार शुक्ल

३) सामान्य भाषा विज्ञान, - बाबूराम सक्सेना

४) भाषा विज्ञान की भूमिका –देवेंद्रनाथ शर्मा

५) भाषा - विश्वनाथ प्रसाद

६) ब्रजभाषा - धीरेंद्र वर्मा

७) भाषा विज्ञान और हिंदी - नरेश मिश्र

८) हिंदी शब्दानुशासन - किशोरदस वाजपेयी

९) हिंदी भाषा का इतिहास - भोलानाथ तिवारी

१०) भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेंद्रनाथ शर्मा

१९) भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. सुधाकर कलावडे
१२) सामान्य भाषा विज्ञान - बाबूराम सक्सेना
१३) आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. राजमणि शर्मा
१४) ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. रामविलास शर्मा
१५) भारत की भाषा समस्या - राजकमल प्रकाशन
१६) भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव व्दिवेदी
आचार्य
१७) हिंदी भाषा: कल और आज - डॉ. पूरनचंद टंडन
एवं

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सत्र
NEP 2020
Major DSC
विशेष अध्ययन - मुंशी प्रेमचंद- भाग २
Paper - III

उद्देश्य :

छात्रों को

१) उपन्यास विधा के तात्विक स्वरुप की जानकारी देना I
२) उपन्यास तथा अन्य साहितिक विधाकातुलनात्मक परिचय देना I
३) हिंदीउपन्यासों के विकासक्रम की जानकारी देना I
४) हिंदी उपन्यास की विभिन्न प्रवृतियों से परिचित कराना I
५) हिंदी उपन्यासों के तात्विक स्वरुप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में उपन्यासों के आस्वादन, अध्ययन एवं मुल्यांकन की क्षमता बढाना I

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURS OUTCOME]

१. विद्यार्थियों को उपन्यास साहित्य की संपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।
२. उपन्यास लेखन की विविध प्रवृत्तियों का बोध होगा।
३. उपन्यास लेखन में पारंगतता प्राप्त होगी।
४. उपन्यास पठन से सामाजिक भूमिकाओं का बोध होगा।
५. सिनेमा और पटकथा लेखन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

अध्यापन पद्धति :-

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण I
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा I
३) व्दक श्राव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग I
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन I
५) परिचर्चा I
६) अतिथिविद्धानों के व्याख्यान I

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम :

इकाई	पाठ्यक्रम
इकाई 1	सेवासदन - मुंशी प्रेमचंद
इकाई 2	रंगभूमि - मुंशी प्रेमचंद
इकाई 3	गबन - मुंशी प्रेमचंद
इकाई 4	द्रुतपाठ - हेतु निम्ननांकित उपन्यसकारों का संक्षिप्त जीवन - परिचय, विशेषताएँ, रचनाओं के लेखन एवं प्रकाशन काल का अध्ययन अपेक्षित है I इन पर लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगें I नागार्जुन, वृन्दावनलाल वर्मा, कमलेश्वर, भीष्मसाहनी, अल्का सरावगी I

प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय : तीन घंटे   कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :-

१. **प्रश्न क्रमांक एक के अंतर्गत इकाई '1', '2', '3', '4',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों में से व्याख्या हेतु छः गद्यांस दिए जाएंगें, जिनमेंसेकिन्हीं तीन की व्याख्या अनिवार्य होगी I प्रत्येक व्याख्या हेतु १० अंक निर्धारित है I 3 x 10 = 30

२. **प्रश्न क्रमांक दो के अंतर्गत इकाई '1', '2', '3', '4',** में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं उपन्यासों पर आधारित दो समीक्षात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से किसी एक प्रश्न को लिखना अनिवार्य है I 10 x 1 = 10

३. **प्रश्न क्रमांक तीन के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यपुस्तक** से सात लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है I 5 x 4 = 20

४. **प्रश्न क्रमांक चारके** अंतर्गत पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगे I सभी प्रश्न अनिवार्यहोंगे I प्रत्येक प्रश्न हेतु दो अंक निर्धारित है I 5 x 2 = 10

५. **प्रश्न क्रमांकपॉच** के अंतर्गत दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे I सभीप्रश्न अनिवार्य होंगे I प्रत्येकप्रश्न हेतु एक अंक निर्धारित है I प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से पूछे जाएंगेI 1 x 10 = 10

६. **अंतर्गत मूल्यांकन** 20 अंक

-: संदर्भ ग्रंथ :-

१) प्रेमचंद आज के संदर्भ में - गंगाप्रसाद विमल
२) प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा
३) प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा - शैलेश जैदी
४) प्रेमचंद: एक अध्ययन - राजेश्वर जैदी
५) प्रेमचंद अध्ययन की नई दिशाएँ - कमलकिशोर गोयनका
६) प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान - कमलकिशोर गोयनका
७) प्रेमचंद - जीवन और कृतित्व - हंसराज रहबर
८) प्रेमचंद की विरासत - राजेंद्र यादव
९) प्रेमचंद विरासत का सवाल - शिवकुमार मिश्र
१०) प्रेमचंद के आयाम - ए अरविंददाक्षन
११) गोदान नया परिप्रेक्ष्य - गोपाल राय
१२) उपन्यासकार प्रेमचंद - सं. सुरेशचंद्र गुप्त, रमेशचंद्र गुप्त
१३) समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद - महेंद्र भटनागर
१४) आद्य बिंब और गोदान - कृष्ण मुरारी मिश्र

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सत्र
नैतिक शिक्षा भाग २
NEP 2020

Major Elective DSE

Paper - IV

उद्देश्य :

१) छात्रों को नैतिक शिक्षा की प्रमुख प्रयुक्तियों और उत्कृष्ट जीवन के आधार शैलियों का परिचय देना I

२) छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान के प्रयोग विधि से अवगत कराना I

३) छात्रों को नैतिकता के विविध प्रकारों की जानकारी कराना I

४) छात्रों को नैतिक और बौद्धिक क्रांति से परिचित कराकर सामाजिक क्रांती के व्यावहारिक ज्ञान को आत्मसात कराना I

५) छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित करना I

पाठ्यक्रम परिणाम- [COURS OUTCOME]

१. नैतिक शिक्षा विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों की समझ विकसित होगी। इसकी सहायता से वे देश के बेहतर नागरिक बन सकेंगे।

२. नैतिक शिक्षा समस्याओं के प्रति अन्वेषी दृष्टि विकसित होगी।

३. नैतिक शिक्षा सम्प्रेषण क्षमता का विकास होगा। नैतिक शिक्षा से युगीन जीवन के विश्लेषण विवेचन की समझ विकसित होगी।

४. नैतिक शिक्षा से सामाजिक-साहित्यिक जागरूकता विकसित होगी जिससे सांस्कृतिक बहुलता को समझने में आसानी होगी।

५. नैतिक शिक्षा से जीवन के प्रति सकारात्मक, स्वावलंबी सोच विकसित होगी।

६. नैतिक शिक्षा से जीवन के प्रति सकारात्मक सोच तैयार होगा।

अध्यापन पद्धति :-

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण I

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा I

३) दृकभाव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग I

४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन I

५) परिचर्चा I

६) अतिथि विव्दानोंके व्याख्यान I

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

इकाई-1

प्रगतिशील समाज व्यवस्था

१ अधिकार गौण और कर्तव्य प्रधान
२ उदारसहकारिता
३ अध्यापक का गौरव और उत्तरदायित्व
४ व्यायाम और स्वास्थशिक्षा
५ उच्च शिक्षित कन्या की विवाह समस्या
६ आदर्श विवाह बिना फिजूलखर्ची
७ भिक्षावृत्ति की समाप्ति

इकाई-2

राष्ट्रहित और राष्ट्र निर्माण

१ देशभक्त नवनिर्माण मे जुडे
२ श्रम सम्मान एवं गृहउद्योगों की आवश्यकता
३ ऊंच-नीच मान्यता का अन्याय
४ वोटरों की सर्तकता
५ नारी उत्कर्ष हेतु प्रबुध्द नारीआगे आए
६ अन्न संकट की चुनौती का सामना
७ वृक्षरोपण ओर हरीतिमा संवर्धन

इकाई-3

धर्म और संस्कृति

१ आस्तिकता और उपासना
२ देववाद और पूजा अर्चा
३ धर्मतंत्र को प्रगतिशील बनाएँ
४ मंदिर से आस्तिकता ओर सत्प्रवृतीयां
५ साधू ब्राम्हण समाज का कर्तव्य और दायित्व
६ प्राणियों के प्रति दया
७ गौ संरक्षण की आवश्यकता

इकाई-4

आध्यात्मिक जीवन

१ कर्मफल का भोग अनिवार्य
२ दुषकर्मो के दंड और प्रायश्चित
३ ज्ञानयोग, कर्मयोग, भक्तियोग की साधना
४ आध्यात्मिक जीवन के पांच कदम

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समयः तीन घंटे कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :-

१. प्रश्न क्रमांक एक इकाई-१ एवं इकाई-२ से दो- दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I
10 x 2 = 20

२. प्रश्नक्रमांक एक इकाई ३ एवं इकाई ४ से दो- दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I
10 x 2 = 20

३. प्रश्न क्रमांक तीन में सात लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाऐंगे I जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है I 5 x 4 = 20

४. प्रश्न क्रमांक चार में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाऐंगे, सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित है I 5 x 2 = 10

५. प्रश्न क्रमांक पॉच में सम्पूर्ण पाठयक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है I 10 x 1 = 10

६. अंतर्गत मूल्यांकन 20 अंक

-: संदर्भ ग्रंथ :-

१. शिक्षण प्रक्रिया में सर्वापुर्ण परिवर्तन — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
२.प्रबंध व्यवस्था एक विभूति एक कौशल — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
३. छात्रो का निर्माण अध्यापक करें — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
४. छात्र वर्ग में नशे की दुष्प्रवृत्ति — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
५. नारी उत्थांन की समस्या और समाधान — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
६. व्यक्तित्व के परिष्कार में श्रद्धा ही समर्थ — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
७. जीवन लक्ष्य और उसकी प्राप्ति — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
८. वर्तमान चुनौतिया और युवा वर्ग — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
९. बच्चों को उत्तरधिकार में धन नही गुण दे — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१०. बच्चों को शिक्षा ही नही विद्या भी दे — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
११. दो घिनौने मुफ्तखोर और कामचोर — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१२. दहेज दानव से सामाजिक लडाई — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१३. राष्ट्र समर्थ और सशक्त कैसे बने — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१४. भारतीय संस्कृति एक जीवनदर्शन — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य
१५. समस्त विश्व को भारत के अजश्र अनुदान — पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सत्र

NEP 2020

Major Elective DSE

साहित्य एवं पर्यावरण विमर्श

Paper - IV

उद्देश्य :

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : [COURSE OUTCOME]

१. विद्यार्थियो में पर्यावरण और साहित्य के प्रति रुचि निर्माण करना।
२. पर्यावरण और जीवन के संबंधो से परिचित कराना।
३. विषय का सम्यक ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

१. साहित्य में पर्यावरणीय चेतना के बोध से सामाजिक जागरूकता आएगी।
२. पर्यावरण के महत्व का बोध होगा।
३. पर्यावरण संरक्षण की प्रवृत्ति का विकास होगा।
४. पर्यावरण के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।
५. मूल्य चेतना विकसित होगी।
६. शोध वृत्ति विकसित होगी।

अध्यापन पद्धति :-

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण I
२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा I
३) दृकभाव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग I
४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन I
५) परिचर्चा I
६) अतिथि विव्दानोंके व्याख्यान I

इकाई –

पर्यावरण विमर्श

- अवधारणा एवं परिभाषा
- आवश्यकता एवं उपयोगिता
- पारिस्थितिकी संकट : कारण एवं समाधान

इकाई –

पर्यावरण भारतीय परंपरा एवं संस्कृति

- भारतीय परंपरा और पर्यावरण
- भारतीय संस्कृति में पर्यावरण

इकाई –

पर्यावरण विमर्श और हिन्दी कविता

- केदारनाथ अग्रवाल – पर्यावरण केन्द्रित कविता
- ज्ञानेन्द्रपति – पर्यावरण आधारित कविता
- एकांत श्रीवास्तव – पर्यावरण आधारित कविता
- नागार्जुन – पर्यावरण आधारित कविता

इकाई –

पर्यावरण विमर्श और हिन्दी कथा साहित्य

- सोना माटी – विवेकी राय
- लक्ष्मण रेखा – भगवती शरण मिश्र
- वृंदा – शांता कुमार

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समयः तीन घंटे | कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :-

१. प्रश्न क्रमांक एक इकाई-१ एवं इकाई-२ से दो- दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I
10 x 2 = 20

२. प्रश्नक्रमांक एक इकाई ३ एवं इकाई ४ से दो- दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I
10 x 2 = 20

३. प्रश्न क्रमांक तीन में सात लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाऐंगे I जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है I 5 x 4 = 20

४. प्रश्न क्रमांक चार में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाऐंगे, सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित है I 5 x 2 = 10

५. प्रश्न क्रमांक पॉच में सम्पूर्ण पाठयक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है I 10 x 1 = 10

६. अंतर्गत मूल्यांकन 20 अंक

संदर्भ ग्रंथः

1- साहित्य में पर्यावरण विमर्श - घनश्याम भारती

2- समकालीन हिन्दी साहित्य में पर्यावरण विमर्श - डॉ ए एस सुमेध

3- विधायन - शोध पत्रिका - पर्यावरण विशेषांक, छत्तीसगढ़

4- प्रकृति दर्शन - वेबपत्रिका

5- आस्था और लोक पर्व - पंकज चतुर्वेदी, दिल्ली

एम. ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र

NEP 2020

Major Elective DSE

रचनात्मक लेखन

Paper - IV

पाठ्यक्रम के उद्देश्य [course objective]

१. रचनात्मक लेखन कला के विविध पक्षों का बोध कराना।

२. रचनात्मक लेखन के विविध रूपों तत्वों तथा शैलियों आदि से परिचित कराना।

३. विविध माध्यमों हेतु रचनात्मक लेखन की प्रणाली से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम का परिणाम : [course outcome]

१. रचनात्मक लेखन के विविध आयामो का बोध होगा।

२. रचनात्मक लेखन से सम्प्रेषण कौशल का विकास होगा।

३. रचनात्मक कौशल से नई कल्पना शक्ति का विकास होगा।

४. पद्य और गद्य विधा का बोध होगा।

५. पटकथा लेखन के प्रति रुझान बढ़ेगा।

६. सृजनात्मक लेखन के प्रति रुचि निर्माण होगी।

अध्यापन पद्धति :-

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण I

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा I

३) दृकभाव्य माध्यमों/साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग I

४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन I

५) परिचर्चा I

६) अतिथि विव्दानोंके व्याख्यान I

इकाई -

- रचनात्मक लेखन स्वरूप एवं आयाम
  - औचित्य, क्षेत्र, विस्तार
  - रचनात्मक लेखन के तत्व
  - रचनात्मक लेखन के विविध रूप

इकाई -

- कविता लेखन
  - कविता के प्रकार, लय, गति, यति, छुंद

इकाई –
- कहानी लेखन
  - कथ्य और शिल्प

इकाई –
- अन्य गद्य विधाएँ
  - निबंध लेखन
  - पटकथा लेखन
  - नाटक लेखन

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय: तीन घंटे | कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :-

१. प्रश्न क्रमांक एक इकाई-१ एवं इकाई-२ से दो- दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I 10 x 2 = 20

२. प्रश्नक्रमांक एक इकाई ३ एवं इकाई ४ से दो- दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I 10 x 2 = 20

३. प्रश्न क्रमांक तीन में सात लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाऐंगे I जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है I 5 x 4 = 20

४. प्रश्न क्रमांक चार में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाऐंगे, सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित है I 5 x 2 = 10

५. प्रश्न क्रमांक पॉच में सम्पूर्ण पाठयक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है I 10 x 1 = 10

६. अंतर्गत मूल्यांकन 20 अंक

संदर्भ ग्रंथ -

1- रचनात्मक लेखन- सं रमेश गौतम

2- रचना के सरोकार - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी वाणी प्रकाशन

3- भाषा युगबोध और कविता -रामविलास शर्मा वाणी प्रकाशन

4- साहित्य का भाषिक चिंतन - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव राधाकृष्ण प्रकाशन

5- समकालीन सृजन संदर्भ - खंड 2 - भारत भारद्वाज,वाणी प्रकाशन

6- साहित्य का उद्देश्य -प्रेमचंद, हंस प्रकाशन

7- उपन्यास का पुनर्जन्म - परमानांद श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन

8- हिन्दी का गद्य पर्व - नामवर सिंह ,राजकमल प्रकाशन

9- सृजन का अंतर्पाठ : उत्तर आधुनिक विमर्श - कृष्णदत्त पालीवाल, सामयिक प्रकाशन

10-लेखक की साहित्यिकी - नंदकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन

11-एक साहित्यिक की डायरी - गजानन माधव मुक्तिबोध , भारतीय ज्ञानपीठ

12-साहित्य का स्वभाव - नंदकिशोर आचार्य , वाग्देवी प्रकाशन

एम. ए. (हिन्दी) चतुर्थ सत्र
NEP 2020
Major Elective DSE
आधुनिक हिंदी आलोचना
Paper-IV

उद्देश्य :

छात्रों को :-

१) आलोचना के स्वरुप से परिचित कराना I

२) हिंदी आलोचना के विकास का परिचय देना I

३) हिंदी मे प्रमुख आलोचकों की आलोचना पध्दतियों से अवगत कराना I

४) हिंदी आलोचकों के प्रदेह से परिचित कराना I

५) छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित कराना I

६) रचनाकार आलोचकों की आलोचना दृष्टि का परिचय I

७) आलोचना की विविध प्रकृतियों का परिचय देना I

पाठ्यक्रम का परिणाम : [Course Outcome]

१. आलोचना के विविध आयामो का बोध होगा।
२. आलोचना से सम्प्रेषण कौशल का विकास होगा।
३. आलोचना से रचनात्मक कौशल की नई कल्पना शक्ति का विकास होगा।
४. आलोचना से पद्य और गद्य विधा का बोध होगा।
५. आलोचना से लेखन के प्रति रुझान बढ़ेगा।
६. आलोचना के विभिन्न पद्धति द्वारा सृजनात्मक लेखन के प्रति रुचि निर्माण होगीI

अध्यापन पध्दति :-

१) व्याख्यान तथा विश्लेषण।

२) संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा समूह चर्चा।

३) दृक श्राव्य माध्यमों/ साधनों तथा इंटरनेट का प्रयोग।

४) शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

५) परिचर्चा।

६) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

अध्ययनार्थ पाठ्यक्रम

इकाई १

१. आलोचना: स्वरुप, उद्देश्य, आलोचना की प्रक्रिया
२. आलोचना और अनुसंधान, आलोचक के गुण
३. हिंदी आलोचना का विकास कम, हिंदी आलोचना के आचार्य महावीर प्रसाद द्विवदीजी का योगदान

इकाई २

१ आचार्य रामचंद्र शुक्ल आलोचना पध्दति :स्वरुप और विशेषता, हिंदी आलोचना में उनका योगदान
२. डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना पध्दति: स्वरुप और विशेषताएं, हिंदी आलोचना में उनका योगदान
३. डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पध्दति: स्वरुप और विशेषताएँ, हिंदी आलोचना में उनका योगदान

इकाई ३

१. डॉ. नंद दुलारे वाजपेयी की आलोचना पध्दति :स्वरुप और विशेषता, हिंदी आलोचना में उनका योगदान
२. डॉ. नगेंद्र की आलोचना पध्दति :स्वरुप और विशेषता, हिंदी आलोचना में उनका योगदान

इकाई ४

१. डॉ. नामवर सिंह की आलोचना पध्दति: स्वरुप और विशेषता, हिंदी आलोचना में उनका योगदान
२. समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ :विडम्बना (आयरनी) अजनबीपन (एलियनेशन), विसंगति (एब्सर्ड) अंर्तविरोध (पैराडाक्स) विखंडन (डिकन्स्ट्रक्शन)

प्रश्न पत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

समय: तीन घंटे कुल अंक : 80+20

सूचनाएँ :-

१. प्रश्न क्रमांक एक इकाई-१ एवं इकाई-२ से दो- दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I 10 x 2 = 20

२. प्रश्नक्रमांक एक इकाई ३ एवं इकाई ४ से दो- दो प्रश्न पूछे जाऐंगे I जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर दस अंक निर्धारित है I 10 x 2 = 20

३. प्रश्न क्रमांक तीन में सात लघुत्तरी प्रश्न पूछें जाऐंगे I जिनमें से पॉच प्रश्न के उत्तर लिखना अनिवार्य है I प्रत्येक प्रश्न पर चार अंक निर्धारित है I 5 x 4 = 20

४. प्रश्न क्रमांक चार में पॉच अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाऐंगे, सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं, प्रत्येक प्रश्न पर दो अंक निर्धारित है I 5 x 2 = 10

५. प्रश्न क्रमांक पॉच में सम्पूर्ण पाठयक्रम से दस वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न पर एक अंक निर्धारित है I 10 x 1 = 10

६. अंतर्गत मूल्यांकन 20 अंक

संदर्भ ग्रंथ

✓१ हिंदी आलोचना : स्वरुप और प्रक्रिया आनंदप्रकाश दिक्षित

२ आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिध्दांत डॉ. रामलाल सिंह

३ आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना डॉ. रामविलास शर्मा

४ आचार्य हजारी प्रसाद्र द्विवेदी : व्यक्तित्व और साहित्य - डॉ गणपतीचंद्र गुप्त

५ आचार्य नंददुलारी डॉ रामाधार शर्मा

६ हिंदी आलोचना का इतिहास डॉ रामदरश मिश्र

७ हिंदी आलोचना उदभव और विकास भगवत स्वरुप मिश्र

एम. ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र

NEP 2020

Paper-V

प्रकल्प लेखन

अंक विभाजन:– ५० अंक प्रकल्प के लिए

५० अंक मौखिकी के लिए

<u>सूचना</u> – गोंडवाना विश्वविदयालय, गडचिरोली का हिन्दी अध्ययन मंडल प्रकल्प के विषय उपलब्ध कराएगा। गोंडवाना विश्वविदयालय अन्य विश्वविदयालय तथा महाविदयालयों के हिन्दी विभाग के प्राध्यापक प्रकल्प प्रस्तुत करने वाले छात्रों की मौखिकी लेने के लिए उपस्थित रहेगें। एक प्राध्यापक सारे केंद्रो को मिलाकर अधिकतम दस छात्रों का ही मार्गदर्शन कर सकेंगें।

प्रकल्प लेखन के लिए निर्धारित शोध विषय:

१	आदिकाल का नामकरण व काल विभाजन
२	हिंदी महाकाव्य परंपरा में पृथ्वीराज रासो का स्थान
३	अमीर खुसरो का हिंदी साहित्य में प्रदेय
४	भक्तिकाव्य का उदभव और विकास
५	भक्तिकाल के प्रमुख आचायों का योगदान
६	भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताऍं
७	कबीर के व्यक्तित्व और कृतित्व का सामान्य परिचय
८	कबीर काव्य के सामाजिक सरोकार
९	कबीर की भक्तिभावना और उसकी व्याप्ति
१०	सूफि काव्यधारा और जायसी
११	जायसी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
१२	कृष्ण काव्य परंपरा और सूरदास
१३	सूरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
१४	सूर के काव्य में भक्ति और दर्शन
१५	भ्रमरगीतसार परंपरा में सूर कृत भ्रमरगीत सार का महत्व
१६	कृष्ण काव्य परंपरा में सूर का स्थान
१७	रामकाव्यधारा में गोस्वामी तुलसीदास का आगमन
१८	तुलसीदास के व्यक्तित्व और कृतित्व का सामन्य परिचय
१९	श्रामचरितमानस का महाकाव्यत्व

२०	तुलसी के काव्य में भक्ति और दर्शन
२१	तुलसीदास की समन्वय भावना
२२	रामचरितमानस के प्रमुख पुरूष पात्र
२३	रामचरितमानस के प्रमुख नारी पात्र
२४	तुलसीदास का भाषिक और शैल्पिक अनुप्रयोग
२५	कवि भूषण के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
२६	भक्तिकाव्य परंपरा में मीराबाई का आगमन
२७	मीराबाई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का सामान्य परिचय
२८	नारीवाद के संदर्भ में मीराकाव्य की विद्रोही चेतना
२९	भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता और मीराबाई
३०	हिंदी साहित्य के इतिहास में भक्तिकाव्य का महत्व
३१	हिंदी साहित्य के इतिहास में रितीकाव्य का महत्व
३२	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में रस सिध्दांत का महत्व
३३	अलंकार का स्वरूप ओर प्रभेद
३४	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में रीति सिध्दांत का महत्व
३५	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में ध्वनि सिध्दांत का महत्व
३६	भारतीय काव्यशास्त्र के क्षेत्र में औचित्य सिध्दांत का महत्व
३७	औचित्य सिध्दांत का स्वरूप विश्लेषण
३८	आचार्य रामचंद्र शुक्ल के समीक्षा सिध्दांत
३९	आचार्य शुल्क की आलोचनात्मक कृतियों का परिचय
४०	हिंदी आलोचना को आचार्य रामचंद्र शुल्प का प्रदेय
४१	आचार्य रामचंद्र शुक्ल की सौद्वांतिक आलोचना
४२	आचार्य रामचंद्र शुक्ल की व्यावहारिक आलोचना
४३	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के समीक्षा सिध्दांत
४४	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी और कबीर
४५	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का ऐतिहासिक लेखन
४६	आचार्य नंददुलारे वाजपेयी के आलोचना सिध्दांत
४७	डॉ. रामविलास शर्मा कि निराला से सम्बन्धित आलोचना
४८	डॉ. नामवर सिंह का समीक्षात्मक प्रदेय
४९	प्लेटो के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
५०	अरस्तू के जीवन कृतित्व का परिचय व्यक्तित्व और
५१	अरस्तू के प्रमुख समीक्षा सिध्दांत
५२	लेंजाइनस के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
५३	पाश्चात्य काव्यशास्त्र में लोंजाइनस का महत्व
५४	अभिजात्यवाद के आधार पर होमर के महाकाव्यों का विश्लेषण
५५	मार्क्सवाद के प्रमुख सिध्दांत
५६	मार्क्सवाद के आधार पर किसी कृति का विश्लेषण
५७	टी.एस. इलियट के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय

५८	आई.ए. रिचर्ड्स के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
५९	मनोविश्लेषणवाद के आधार पर किसी कृति का विश्लेषण
६०	सरचनावाद के आधार पर किसी कृति का विश्लेषण
६१	डॉ.नगेंद्र के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय
२१	२१ वी सदी कि मराठी कहानियों में किसान
६३	आधुनिक कविता कि पृष्ठभूमि, उध्दव एवं वर्गीकरण
६४	कामायनी का दार्शनिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य
६६	कामायनी का दर्शन
६७	प्रयोगवाद और अज्ञेय
६८	अज्ञेय की काव्यशिल्प यात्रा और उनका काव्य
६९	प्रगतिवाद और साहित्य पर उसका प्रभाव
७०	नई कविता की विशेषताएँ
७१	लोकसाहित्य में सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक जीवन का चित्रण
७२	स्त्री कहानियॉं का स्त्री पाठ
७३	नारीवादी उपन्यास का यथार्थ
७४	आदिवासी कहानियॉं में शोषण का रूप
७५	दलित जीवन की कहानियों में दलित यथार्थ
७६	दलित कहानियॉं में दलित मुक्ति के प्रश्न
७७	गोदान का किसान और वर्तमान यथार्थ
७८	मुक्तिबोध की कहानियॉं ओर लंबी कविताओं में अंतसंबध
७९	दूरदर्शन के विज्ञापनों का सामाजिक प्रभाव
८०	सामाजिक विकास में जनसंचार माध्यमों का महत्व
८१	पत्रकारिता की सामाजिक भूमिका और वर्तमान स्थिति
८२	जनमाध्यम और बदलता सांस्कृतिक परिवेश
८३	भारतीय सिनेमा का उध्दव और विकास
८४	अनुवाद का महत्व और आयाम
८५	साहित्यिक अनुवाद
८६	अनुवाद प्रक्रिया तथा अनुवाद तकनीक
८७	अनुवाद के प्रमुख भेद और उनके प्रमुख उदाहरण
८८	छायावादी कविता में राष्ट्रीय चेतना
८९	प्रेमचंद युगीन उपन्यासों की विशेषता
९०	समकालीन हिंदी उपन्यास
९१	नई कहानी की विशेषताएँ
९२	हिंदी एकांकी: उध्दव और विकास
९३	हिंदी संस्मरण और स्मृति की रेखाए
९४	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रयुक्त हिंदी
९५	बजारवाद और हिंदी
९६	हिंदी की संवैधानिक स्थिती

९७	हिंदी में रोजगार की संभावनाएँ
९८	सूचना प्रौद्‌योगिकी और हिंदी
९९	सरकारी कार्यालयो में हिंदी का प्रयोग
१००	राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज एवं ग्रामगीता
१०१	राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज का व्यक्तिमत्व एवं कृतित्व

सूचना–

१. इन मानक विषयों के अतिरिक्त दूसरे विषयों पर भी विद्‌यार्थी अपने शोध निर्देशक के परामर्श से प्रकल्प विषय का चयन कर सकते है।

२. विद्यार्थी किसी कृति का हिंदी अनुवाद मूल लेखक की अनुमति से कर सकते हैं।

३. प्रकल्प की पृष्ठ संख्या ८० से १०० के मध्य होनी चाहिए।

४. विद्‌यार्थी प्रकल्प का टंकण करते हैं, तो युनिकोड मंगल फॉण्ट में टंकण करें और फॉण्ट का अकार १४ तथा १.५ का स्पेस रखे।

५. विद्‌यार्थियों को शोध प्रक्रिया का पालन करते हुए अंत में संदर्भ ग्रंथ सूची देनी होगी।

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवम् अंक विभाजन

Examination

1. External Examination (Semester and Examination) Total Marks- 50

2. Internal Examination (आंतरिक परीक्षण) Total Marks- 50

पुस्तक समीक्षा/प्रकल्प	– २० अंक
प्रस्तुतीकरण/ रचनात्मक कार्य	– १० अंक
कक्षा शिक्षण के दौरान सहभागिता	– १० अंक
शिष्टाचार एवं समय आचरण	–१० अंक
प्रश्न पत्र ५ के लिए	–५० अंक (प्रकल्प)
	५० अंक (मौखिकी)